जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 36 | संख्याः 149 | प्रभात | अजमेर, रविवार 4 जनवरी, 2026 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

## अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी को हिरासत में लिया

### रूस, ईरान, क्यूबा, कोलंबिया ने इस आक्रमण की निंदा की, भारत चुप रहा

- अमेरिका ने वेनेज़ुएला के खिलाफ इस आक्रमण को यह कहकर सही बताया कि वेनेज़ुएला से ''ड्रग्स'' अमेरिका लाई जाती हैं और इसे रोकने के लिए वेनेज़ुएला के खिलाफ यह कार्यवाही जरूरी थी।
- वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति का एक ''प्री रिकॉर्डेड'' इंटरव्यु, जो गत सप्ताह प्रसारित किया गया था, में अमेरिका पर यह आरोप लगाया गया था कि अमेरिका वेनेज़ुएला के ''ऑयल रिज़र्व'' व अन्य खनिज सम्पदा पर कब्जा करना चाहता है और इसीलिए वेनेज़ुएला में सरकार का तख्ता पलटना चाहता है।

**- डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 जनवरी। रूस, ईरान और कुछ अन्य देशों ने आज अमेरिका की वेनेजुएला के खिलाफ ''निर्लज्ज आक्रामकता'' और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की रातों -रात एक कार्यवाही में की गई गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की, पर भारत ने इस कार्रवाई के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया और कहा कि यह वेनेजुएला के लोगों का अधिकार है कि वे यह तय करें कि क्या करना है।

यूरोपीय यूनियन और दुनिया के कई देशों ने अमेरिका के द्वारा तमाम अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के खिलाफ जाकर किए गए सैन्य आक्रमण के बाद संयम रखने, तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की, जबकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत वेनेजुएला की घटनाओं पर करीबी नज़र बनाए हुए है और यह वेनेजुएला के लोगों पर निर्भर करता है कि उन्हें क्या करना चाहिए। भारत ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का उल्लेख तक नहीं किया।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने शनिवार की सुबह वेनेजुएला पर ''बड़े हमले'' की शुरुआत की और दावा किया कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया गया और उन्हें देश से बाहर भेज दिया गया। यह वॉशिंगटन के महीनों से चल रहे दबाव अभियान की एक नाटकीय परिणति है।

अमेरिका दुनिया भर में दादागिरी करता है। विशाल सैन्य-औद्योगिक कम्पनियों और बड़े व्यापार समूहों द्वारा समर्थित ट्रंप, शक्तिशाली हथियार प्रणालियों और युद्ध मशीनों के निर्माण के मुनाफे को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस ऑपरेशन की घोषणा ट्रूथ सोशल पर शनिवार सुबह 4:30 बजे की, जब कैराकस के ऊपर धमाकों और नीचे उड़ान भरते विमानों की सूचना मिली थी। ट्रंप ने कहा, ''मादुरो, अपनी पत्नी के साथ, पकड़ लिए गए और देश से बाहर भेज दिए गए हैं। यह ऑपरेशन यूएस लॉ एनफोर्समैंट के साथ मिलकर किया गया था। विवरण बाद में दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि हमले ''सफलतापूर्वक'' किए गए थे।

वेनेजुएला की सरकार ने इसके तुरंत बाद अमेरिका पर नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया तथा इसे ''साम्राज्यवादी हमला'' बताते हुए समर्थकों से सड़कों पर उतरने की अपील की। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि देश का नेतृत्व कौन कर रहा था, और ट्रंप के दावे के अलावा मादुरो के बारे में कुछ नहीं पता था।

कैराकस में शनिवार की सुबह काफी नीचे विमान उड़ते देखे गए, उसके बाद कम से कम सात धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। रॉयटर्स के सूत्रों ने 2 बजे (0600 जीएमटी) के आसपास

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## जब गडकरी ने अपने ससुर का घर तुड़वा दिया था

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 जनवरी। कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान ने अरने यूट्यूब व्लॉग के लिए भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। फराह अपने कुक दिलीप के साथ नई दिल्ली में मंत्री के घर गईं।

व्लॉग में फराह ने नितिन गडकरी से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि वे कितने साल से शादीशुदा हैं, तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह तो कंचन (गडकरी की पत्नी) आपको बताएँगी।''

- चर्चित बॉलीवुड हस्ती फराह खान के व्लॉग के लिए वार्ता में नितिन गडकरी और उनकी पत्नी ने कई रोचक खुलासे किए। गडकरी की पत्नी ने बताया कि कैसे सड़क चौड़ी करने के लिए नितिन गडकरी ने उनके पिता का ही घर तुड़वा दिया था।

इस पर फराह ने मज़ाक में कहा, आदमी की तरह आप अपनी शादी की सालगिरह ही भूल गए।'' कंचन ने बताया कि उनकी शादी को 41 साल हो

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## बांग्लादेश के क्रिकेटर को अब आईपीएल में खेलने नहीं दिया जाएगा

### बीसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को देखते हुए यह निर्णय लिया

- कोलकाता की टीम के.के.आर. ने बांग्लादेशी फास्ट बोलर मुस्ताफिज़ुर रहमान को काफी भारी रकम देकर, दिल्ली व चेन्नई को नीलामी में हराकर खरीदा था
- बांग्लादेश में हाल ही में एक के बाद एक करके तीन हिंदुओं को बेरहमी से मारकर हत्या कर, जलाने की दर्दनाक घटनाएँ हुई हैं तथा देश भर में इन घटनाओं के कारण आक्रोश चरम पर है। पर, ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर पूर्ण चुप्पी साध रखी है।
- भाजपा कोलकाता में चौराहों व मोहल्लों में छोटी-छोटी आम सभाएं आयोजित कर, ममता जी की चुप्पी के खिलाफ वातावरण बना रही है।

**-अंजन रॉय-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 जनवरी। बांग्लादेश में लगातार हो रहे हमलों और हिंदुओं की बेरहमी से हत्या की घटनाओं के बीच, भारत की शीर्ष क्रिकेट संस्था ने एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को बाहर करने का निर्देश दिया है। अब वह आने वाले आईपीएल मैचों में नहीं खेल पाएगा।

ढाका के एक अस्पताल में शनिवार को एक तीसरे हिंदू व्यक्ति की जलने और हमले की चोटों के कारण मौत हो गई, जैसा कि, उसका इलाज कर रहे डॉक्टर ने बताया। उस पर हमला किया गया था, उसके ऊपर पेट्रोल डाला गया और फिर आग लगा दी गई।

वह दिन भर काम करने के बाद जब घर लौट रहा था, तभी इस्लामवादी भीड़ ने घेरकर उस पर हमला कर दिया। उसे बेरहमी से पीटा गया और फिर जला दिया गया। वह इलाके में दवा की दुकान चलाता था और उसके छोटे-छोटे बच्चे हैं। इससे पहले भी एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर को इसी तरह भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला था।

उसी क्रूरता के साथ उसके शव को भीड़ ने लातों से ठोकरें मारीं, फिर उसे पेड़ से लटकाया और बाद में जला दिया। इस घटना के तुरंत बाद एक और हिंदू को झूठे आरोपों में भीड़ ने मार डाला।

बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हो रही इन बर्बर हत्याओं से भारत में भी गुस्सा बढ़ रहा है और समाज के अलग-अलग वर्ग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट की शीर्ष संस्था बीसीसीआई ने बांग्लादेशी खिलाड़ी को आईपीएल मैचों में भाग लेने से रोक दिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को अपने विदेशी तेज गेंदबाज़ को टीम से हटाने का निर्देश दिया गया है और उसकी जगह नया खिलाड़ी तलाशने की अनुमति दी गई है।

केकेआर ने दिल्ली और चेन्नई की दो प्रतिद्वंद्वी टीमों का पछाड़ कर, मुस्ताफिज़ुर रहमान को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि बाद के घटनाक्रमों के बाद, बीसीसीआई ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों को भारत में खेलने देने पर कड़ा रुख अपनाया है।

इन घटनओं का भाजपा ने ज़ोरदार विरोध किया है और पार्टी की राज्य इकाई अब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को बड़ा मुद्दा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )